ज्ञानदीप

ज्ञान ज्योति से मार्गदर्शन
To Beam As A Beacon of Knowledge

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे – 411 001
(आई. एस. ओ. : 9001-2000 प्रमाणित भारतीय रेल का प्रथम केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थान)

Government of India
Ministry of Railways
INDIAN RAILWAYS INSTITUTE OF CIVIL ENGINEERING PUNE 411001
(Indian Railways First ISO-9001-2000 Certified Centralized Training Institute)

संस्थान – डी ओ टी (020)
26122271, 26123436
26123680, 26113452
रेलवे – 55222, 55862

छात्रावास – डी ओ टी (020)
26130579, 26126816
26121669
रेलवे – 53101, 53102, 253103

फैक्स: 020-26128677
रेलवे: 55860, टेलीग्राम: रेलपथ
ई–मेल: mail@iricen.gov.in
वेब साइट : www.iricen.gov.in

वर्ष – 14 | अंक – 55 | जुलाई – सितंबर 2010

सभी पाठकों को इरिसेन परिवार की ओर से दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं !

इस अंक में

1. रेलमंत्री का हिंदी दिवस संदेश
2. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन
3. मुख्य इंजीनियर (निर्माण) के लिए वर्कशॉप
4. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार
5. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (नि.) के लिए सेमिनार
6. स्वतंत्रता दिवस समारोह
7. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 108वीं बैठक
8. वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ–II का यूएसए का अध्ययन दौरा
9. इरिसेन में योग, प्राणायाम एवं ध्यान पर पाठ्यक्रम
10. हिंदी शिक्षण योजना, पुणे में प्रशिक्षण
11. इरिसेन वेबसाइट
12. स्वागत / बिदाई
13. अन्य पाठ्यक्रम
14. बधाई/शुभकामनाएं
15. शब्द–ज्ञान
16. सृजन

1. रेल मंत्री का हिन्दी दिवस संदेश



रेल परिवार के मेरे प्रिय साथियो,

हिन्दी दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं ।

आज हिन्दी दिवस है। आज ही के दिन संविधान में हिन्दी को राजभाषा के रुप में स्वीकार किया गया था । तब से प्रत्येक वर्ष 14 सितम्बर का दिन हिन्दी दिवस के रुप में मनाया जाता है। उस दिन से आज तक हिन्दी को सरकारी काम काज की भाषा के तौर पर प्रयोग में लाने की दिशा मे हम लगातार प्रगति कर रहे हैं ।

हिन्दी आज आम बोल–चाल की भाषा बन गई है । हिन्दी के माध्यम से हमारी रेलें देश को एक सूत्र में बाँधने का कार्य करती है । अतः हिन्दी का प्रयोग–प्रसार देश की अखण्डता और प्रगति के लिए बहुत जरूरी है । आम जनता के साथ दिन प्रतिदिन के व्यवहार में अधिक से अधिक हिन्दी का प्रयोग करके रेलों ने जनता की भली भाँति सेवा की है। सभी रेल कार्यालयों में एक अनुकूल वातावरण बना है और सरकारी काम काज में हिन्दी का प्रयोग निरन्तर बढ़ रहा है ।

हम सबके लिए यह गौरव की बात है कि राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) ने लगातार दूसरी बार फिर इंदिरा गाँधी राजभाषा पुरस्कार योजना के अन्तर्गत रेल मंत्रालय को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया है । पिछले वर्ष अर्थात् 2009 में भी रेल मंत्रालय को इंदिरा गाँधी राजभाषा प्रथम पुरस्कार मिला था । यह हिन्दी के प्रति आप सबकी लगन का परिचायक है ।

आप जानते ही हैं कि रेल मंत्रालय अधिकारियों/कर्मचारियों की साहित्यिक प्रतिभा को उजागर करने के लिए प्रति तिमाही 'रेल राजभाषा' पत्रिका भी प्रकाशित करता है । राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) ने हमारी इस हिन्दी पत्रिका को द्वितीय पुरस्कार के लिए चुना है । लगातार दो पुरस्कारों के कीर्तिमान स्थापित करने वाले अपने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मैं बधाई देना चाहुँगी ।

सूचना प्रौद्योगिकी ने सूचना के क्षेत्र में नई क्रांतियों को जन्म दिया है और कंप्यूटर इस क्रांति का सशक्त माध्यम है । कंप्यूटर पर हिन्दी में काम करना दिन–प्रतिदिन आसान होता जा रहा है, इसलिए यह जरूरी है कि कंप्यूटरों पर अधिक से अधिक काम हिन्दी में करके इस प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया जाए।

आइए, आज हम सब रेलों पर अधिक से अधिक काम हिन्दी में करने का एक बार फिर संकल्प लें ।

जय हिंद

ममता

2. इरिसेन में राजभाषा सप्ताह का आयोजन

भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान में दिनांक 14 से 17 सितंबर, 2010 तक राजभाषा सप्ताह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में निदेशक श्री ए. के. गोयल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्ज्वलित कर राजभाषा सप्ताह का विधिवत उद्घाटन किया । तदुपरांत राजभाषा अनुभाग द्वारा मंचासीन सम्माननीय सदस्यों का स्वागत पुष्पगुच्छ द्वारा किया गया। इस शुभ अवसर पर निदेशक श्री ए. के. गोयल एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी व प्राध्यापक, रेलपथ श्री नीलमणि ने उत्साहवर्धक भाषण दिए।

हिंदी दिवस के अवसर पर संस्थान के अधिकारियों, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों के सौजन्य से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। 15 सितंबर, 2010 को आशुलिपि, टिप्पण व आलेखन एवं वाक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।



राजभाषा सप्ताह के उद्घाटन के अवसर पर निदेशक श्री ए. के. गोयल एवं उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ श्री नीलमणि

संरक्षक
ए. के. गोयल
निदेशक
भा.रे.सि.इं.सं.पुणे

मुख्य संपादक
नीलमणि
उप मुख्य राजभाषा अधिकारी
एवं प्राध्यापक, रेलपथ

संपादक
अरुणाभा ठाकुर
राजभाषा अधीक्षक

16 सितंबर, 2010 को हिंदी निबंध प्रतियोगिता एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्न–मंच कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संकाय सदस्य, प्रशिक्षु अधिकारी, परिवीक्षार्थियों एवं कर्मचारियों ने हिस्सा लिया ।

17, सितंबर, 2010 को पुणे मंडल सांस्कृतिक अकादमी के कलाकारों द्वारा 'अंखियों के झरोंखो से' नाटक का मंचन श्री करमरकर जी के सफल निर्देशन में किया गया। दो नेत्रहीन कलाकार की भूमिका में सहा.स्टेशन प्रबंधक, पुणे स्टेशन श्री सोना एवं घोरपड़ी डीजल शेड के श्री सुरसे ने बेहतरीन भूमिका अदा की।

नाटक मंचन के उपरांत सभी प्रतियोगिताओं में विजयी पात्रों को निदेशक द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया। वर्ष 2010 में हिंदी में अधिकाधिक कार्य करने हेतु अधिकारी वर्ग में श्री अरुण चांदोलीकर, सह प्राध्यापक एवं कर्मचारी वर्ग में श्री ए. डी. सातपुते, सेक्शन इंजीनियर, छात्रावास तथा श्री गणेश श्रीनिवासन, निजी सचिव, ग्रेड–II को पुरस्कृत किया गया। निबंध प्रतियोगिता में सर्वप्रथम रहे



निदेशक इरिसेन से पुरस्कार ग्रहण करते हुए श्री अरुण चांदोलीकर, सह प्राध्यापक

भा.रे.इं.से. के परिवीक्षार्थी श्री राहुल जयपुरियार, भा.रे.इं.से. के परिवीक्षार्थी श्री नीरज वर्मा द्वितीय स्थान पर रहे तथा तृतीय स्थान पर श्रीमती नेहा सप्तर्षि, सहायक ग्रंथपाल रहीं । वाक् प्रतियोगिता में सर्वप्रथम रहे भा.रे.इं.से. के परिवीक्षार्थी श्री राजीव रंजन, द्वितीय स्थान पर संस्थान के सेक्शन इंजीनियर (ड्राइंग) श्री सुनील पोफले एवं तृतीय स्थान परिवीक्षार्थी श्री प्रवीण कुमार पाठक ने प्राप्त किया। टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया श्री रोहीदास जागड़े, प्रवर लिपिक ने, द्वितीय रहीं श्रीमती जयंती डी. शर्मा, कार्यालय अधीक्षक एवं तृतीय स्थान श्री शैलेंद्र प्रकाश, सहायक ग्रंथपाल को मिला । वहीं आशुलिपि प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे श्री गणेश श्रीनिवासन, निजी सचिव, ग्रेड–II, द्वितीय स्थान मिला श्री के. पी. धुमाल, निजी सचिव, ग्रेड–II को एवं तृतीय स्थान पर श्रीमती विद्या जम्मा, निजी सचिव, ग्रेड–II रहीं ।

राजभाषा सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ श्री नीलमणि ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया और कार्यक्रम की सफलता पर सभी को बधाई दी एवं आभार व्यक्त किया । अंत में संस्थान के निदेशक श्री ए. के. गोयल ने सभी उपस्थितों को इस अवसर पर शुभकामनाएं दी ।

3. मुख्य इंजीनियर (निर्माण) के लिए वर्कशॉप

इरिसेन में 2 एवं 3 अगस्त 2010 को मुख्य इंजीनियर निर्माण के लिए वर्कशॉप आयोजित किया गया। वर्कशॉप में कार्यसूची की मदों के अलावा निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिए गए : राजेश अग्रवाल, निदेशक, आरडीएसओ, लखनऊ द्वारा 'न्यू आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन एंड गाईड लाइन्स ऑन डिजाइन ऑफ फार्मेशन एंड ब्लैकेटिंग फॉर हैवी एक्सेल लोड'। एस. सुब्रह्मणयम, निदेशक, कुसुमा प्रोजेक्ट एंड मैनेजमेंट सोल्युशन्स प्रायवेट लिमिटेड द्वारा 'बेटर कन्स्ट्रक्शन/एक्सक्यूशन मैनेजमेंट–नेसेसिटी ऑफ पीएमसी, इटस् अप्लिकेबिलिटी इन रेलवेज, डिफरेंट मॉडल्स ऑफ पीएमसी । पी.के.सिंह कार्यकारी निदेशक आरवीएनएल, मुंबई द्वारा पीएमसी इन रेलवेज एंड आरवीएनएल मॉडल ऑफ पीएमसी । व.प्रा.पुल–I द्वारा 'ब्रिजेज इन अ न्यू लाईन प्रोजेक्ट – सेलेक्शन ऑफ स्पैन। ए. के. जैन मुख्य इंजी. निर्माण/ प.रे.द्वारा 'इम्पोर्टेन्स ऑफ हाइड्रोलॉजिकल इनवेस्टीगेशन्स फॉर ब्रिजेज इन रेलवे प्रोजेक्ट। जे.एन.लाल दास, मुख्य इंजी.निर्माण/द.प.रे.द्वारा 'इम्पोर्टेंट इसूज इन डिसाइडिंग टाइप्स ऑफ ब्रिज स्पैन्स एंड फाउन्डेशन्स । वी.के.जे. राणे, से.नि.प्रबंध निदेशक/इरकॉन द्वारा 'रोल ऑफ प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कन्सल्टेंस इन रेलवेज । वी.एम.धरप, एडवाजर टेक्निकल, गेमन इंडिया लिमिटेड द्वारा 'ऑटोमेशन एंड मॉर्डनाइजेशन ऑफ कन्स्ट्रक्शन इक्यूपमेंट्स एंड प्रैक्टिसेस विथ इमफेसिस ऑन स्पेशल टाइप्स ऑफ फार्म वर्क एंड एनेबलिंग स्ट्रक्चर्स। ए. के. सचान, मु.इंजी. निर्माण म.रे.द्वारा 'इन्ट्रीकेसिस इन प्लानिंग एंड एक्सक्यूशन ऑफ मेजर यार्ड रिमॉडलिंग वर्क'।

4. मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार



मुख्य रेलपथ इंजीनियरों के सेमिनार का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 5 से 7 अगस्त, 2010 तक मुख्य रेलपथ इंजीनियरों का सेमिनार आयोजित किया गया । अपर सदस्य/सि. इंजी., रेलवे बोर्ड ने 6 अगस्त, 2010 को सेमिनार मे हिस्सा लिया तथा विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों मे अपने अनुभव बांटे तथा विचार विमर्श में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। उनकी उपस्थिति में रेलवे बोर्ड द्वारा 80$^{वीं}$ टीएससी आधारित लंबित मदों की समीक्षा पर भी निर्णय लिए गए ।

कार्यसूची मदों पर विचार विमर्श के अलावा सेमिनार में निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण/व्याख्यान भी दिए गए : मुख्य रेलपथ इंजी. द.म.रे.द्वारा 'टीडब्ल्यूआर बाय फ्लैश बट वेल्डिंग' । मुख्य रेलपथ इंजी., पू.त.रे.द्वारा 'डिफरेन्स इन टेम्परेचर रीडिंग फ्रॉम डिफरेंट थर्मामीटर' । मुख्य रेलपथ इंजी. द.म.रे. द्वारा 'स्ट्रेथनिंग ऑफ स्पेशल ले–आऊट बाय रिप्लेसमेंट ऑफ वुडन ले–आउट बाय पीएससी ले–आऊट। व.प्रा. पुल–2 द्वारा 'एक्सपिरिऐन्स ऑफ टैम्पिंग, बेस्ड ऑन टीएम–115' । संकाय अध्यक्ष इरिसेन द्वारा 'इम्पलिमेंटेशन ऑफ डिजाइन मोड टैम्पिंग' । व. प्रा. रेलपथ–I इरिसेन द्वारा 'आर्गेनाइजेशन रिक्वायर्ड फॉर स्मॉल ट्रैक मशीन' ।

5. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (नि.) के लिए सेमिनार



मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (नि.) के सेमिनार का दृश्य

इरिसेन में दिनांक 8 एवं 9 सितंबर, 2010 को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (नि.) के लिए सेमिनार आयोजित किया गया । सेमिनार में कार्यसूची की मदों के अलावा निम्नलिखित प्रस्तुतीकरण दिए गए: श्री एस. के. जैन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (नि.) प.रे. द्वारा 'फास्ट ट्रैक प्रोजेक्ट्स – प्रोजेक्ट इन 100 डेज'। श्री एस. के. शर्मा, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (नि.) द.म.रे. द्वारा 'फास्ट ट्रैक प्रोजेक्टस् – एक्सक्युसन ऑफ रेलवे प्रोजेक्ट। श्री सुभाष राझज, मुख्य इंजी.(नि.) उ.सी.रे. द्वारा 'फास्ट ट्रैक प्रोजेक्ट्स – बॉगी बील ब्रिज । श्री पी. के. सिंह, कार्यकारी निदेशक/आरवीएनएल द्वारा 'रिसेंट गाइडलाइन्स ऑफ रेलवे बोर्ड ऑन पीएमसी। श्री आर. रामनाथन, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (नि.) द.रे. द्वारा 'ब्लैंकिटिंग थ्रू मेकेनाइज्ड मीन्स ऑफ ब्लेंडिंग। श्री ची चियाक यांग, ज्वाइंट प्रोजेक्ट डायरेक्टर, L&T द्वारा 'एनस्योरिंग क्वालिटी कंट्रोल इन इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट। श्री मनोज अरोरा, वरिष्ट प्राध्यापक, रेलपथ–I द्वारा 'मेकेनाइज्ड लेइंग ऑफ ट्रैक ।

6. स्वतंत्रता दिवस समारोह



स्वतंत्रता दिवस समारोह का दृश्य

संस्थान में 15 अगस्त, 2010 को स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में निदेशक श्री अशोक कुमार गोयल ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के उपरांत निदेशक ने उपस्थित समूह को संबोधित किया । अपने संबोधन में आपने इरिसेन के सर्वांगीण विकास एवं विश्वस्तरीय संगठन की गरिमा बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। आपने उपस्थित सदस्यों को कर्तव्य के प्रति जागरुक रहने और रेलवे के कारपोरेट उद्देश्य को पूरा करने में अपना अमूल्य सहयोग देने का वचन दोहराया ।

7. राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 108वीं बैठक

संस्थान में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 108 वीं बैठक दिनांक 12 अगस्त, 2010 को संस्थान के निदेशक एवं समिति के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार गोयल की अध्यक्षता में संपन्न हुई । बैठक में समिति के अध्यक्ष ने उपस्थित सदस्यों एवं मध्य रेल के उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री आशुतोष मनुज का हार्दिक स्वागत किया। बैठक के प्रारंभ में 108 वीं नंबर पर जोर देते हुए आपने कहा कि यह बहुत पवित्र नंबर है और इसमें जो भी निर्णय लिए जाएंगे वे महत्त्वपूर्ण होंगे। आपने नियमित रुप से आयोजित बैठक में राजभाषा के उत्तरोत्तर प्रगति के बारे में विस्तार से चर्चा की ।

आपने बताया कि संस्थान में कर्मचारियों की संख्या बहुत कम है और वे राजभाषा में काम कर रहे हैं, परंतु संस्थान में प्रशिक्षण लेने वाले प्रशिक्षुओं की संख्या वर्ष में लगभग 2500 होती है यदि उनके बीच राजभाषा का प्रचार होगा, तथा प्रत्येक द्वारा यदि अपने कार्य स्थल पर जाकर एक दो को भी प्रोत्साहित किया गया तो यह संख्या दोगुनी हो जाएगी और संख्या निरंतर बढ़ती ही जाएगी । तकनीकी पुस्तकों के हिंदी अनुवाद पर विशेष जोर देते हुए आपने कहा कि पुस्तकें एवं फिल्मों के निर्माण के दूरगामी परिणाम होते है और इसका लाभ मिलता है ।

आपने बताया कि संस्थान में फील्ड सुपरवाइजर प्रशिक्षण में आते हैं वे रेलवे के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं।उनके अधीन लगभग 250 कर्म. काम करते हैं उन कर्मचारियों पर भी संस्थान का ध्यान होना चाहिए । अतएव सुपरवाइजर के लिए राजभाषा अधिनियम पर एक या डेढ़ घंटे का व्याख्यान रखा जाए । पुस्तकालय में खरीदी गई पुस्तकों के सर्कुलेशन पर विशेष बल देते हुए अध्यक्ष ने कहा कि इनकी खरीद का औचित्य तभी सार्थक होगा जब इन पुस्तकों का लाभ लिया जाएगा । अतः पुस्तकों की सूची नेटवर्क पर उपलब्ध कराने का अनुदेश दिया । सभी से सहयोग की अपेक्षा करते हुए अध्यक्ष ने अपना वक्तव्य समाप्त किया ।

8. वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ-II का यूएसए का अध्ययन दौरा

श्री पी. के. गर्ग वरिष्ठ प्राध्यापक रेलपथ-II, ग्राइंडिंग मशीन की तकनीक से परिचित होने के लिए दिनांक 28 जून से 16 जुलाई 2010 (तीन सप्ताह) तक यूएसए अध्ययन दौरे पर गए थे । वे रेल ग्राइंडिग मशीन का संचलन देखने के लिए वहां स्थल दौरे पर गए एवं इससे संबंधित विभिन्न पहलुओं का बारीकी से निरीक्षण किया। यह तकनीक नई है और भारतीय रेल इसे अपनाने जा रही है । संस्थान में इस विषय पर इस वर्ष 8 पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं जिसमें भारतीय रेल के सिविल इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया जाएगा ।

9. इरिसेन में योग, प्राणायाम एवं ध्यान पर पाठ्यक्रम

इरिसेन में पहली बार दिनांक 04 जुलाई, 10 से 12 जुलाई, 10 तक पाठ्यक्रम सत्र सं. 10801 में योग, प्राणायाम एवं ध्यान पर नया पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 10 अधिकारी उपस्थित हुए, पाठ्यक्रम की प्रतिभागियों द्वारा सराहना की गई ।

10. हिंदी शिक्षण योजना, पुणे में प्रशिक्षण

इरिसेन के दो कर्मचारी श्री विजय कुमारन, निजी सचिव, ग्रेड-।। एवं श्री महेंद्र मलकप्पा, कनिष्ठ लिपिक/टायपिस्ट को पुणे स्थित हिंदी शिक्षण योजना के प्रशिक्षण केंद्र में हिंदी आशुलिपिक एवं हिंदी टायपिंग का प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु नामित किया गया है। प्रशिक्षण पूरा करने के बाद कार्यालय के कार्य में इनकी मदद मिलेगी।

11. इरिसेन वेबसाइट

रेलवे बोर्ड के आदेशानुसार जुलाई माह में इरिसेन वेबसाइट के सर्वर को क्रिस की ओर शिफ्ट किया गया है। दिनांक 12.07.2010 से क्रिस द्वारा वेबसाइट परिचालित किया जा रहा है। स्थानांतरण आसान नहीं था तथा अभी भी कुछ विषय हैं जिन्हें क्रिस की ओर से हल किया जाना है ।

12. स्वागत / बिदाई



* भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा के 1986 बैच के अधिकारी **श्री एस. के.बंसल** ने दिनांक 13 अगस्त, 2010 को इरिसेन में वरिष्ठ प्राध्यापक, प्रोजेक्ट का प्रभार संभाल लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप मुख्य इंजीनियर (निर्माण), सेंट्रल, दक्षिण रेल पर कार्यरत थे। आपने एम आर ई आई जयपुर से बी.ई. तथा आई आई टी दिल्ली से एम टेक की उपाधि ली है । आपने मुख्य इंजी. (ट्रैक मशीन), दक्षिण रेल मद्रास, मुख्य इंजी. (नि.), एमटीपी, दक्षिण रेल, चेन्नई, मुख्य इंजी.(नि.), त्रिवेंद्रम दक्षिण रेल , वरिष्ठ मंडल इंजी. मुख्यालय, रतलाम, उप मुख्य इंजी.-I, चर्चगेट, मु.प्र.अ.(नि.) के सचिव, प.रे., उप मुख्य इंजी.-3, चर्चगेट, (बोरीवली-विरार सेक्शन चौहरी लाइन), उप मुख्य इंजी.(नि.) योजना, चर्चगेट, उप मुख्य इंजी.(नि.) रतलाम, मंडल इंजी.-3, रतलाम, पश्चिम रेल, मं.इंजी, अजमेर, पश्चिम रेल, स.मंडल इंजी. राधनपुर, पश्चिम रेल (पालनपुर-गांधीधाम सेक्शन का अनुरक्षण) एवं स.मंडल इंजी., भावनगर, पश्चिम रेल इत्यादि विभिन्न पदों पर काम किया है। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है ।



* भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग सेवा 1989 बैच के अधिकारी **श्री शाजी झकारिया** ने अगस्त, 2010 को प्राध्यापक ट्रैक मशीन का प्रभार संभाल लिया है। इरिसेन में नियुक्ति से पहले आप वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (समन्वय) दक्षिण रेल, तिरूअंनतपुरम में कार्यरत थे। आपने कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, तिरूअनंतपुरम से बी.टेक की उपाधि प्राप्त की एवं इंडियन इस्टीटयूट ऑफ टेक्नॉलाजि, मद्रास से जिओ-टेक्निकल इंजीनियरिंग में एम.टेक की उपाधि प्राप्त की। सहा.इंजी.,काटपादी, दक्षिण रेल के रुप में अपने कैरियर की शुरुआत की तथा आपको दक्षिण रेलवे पर विभिन्न पदों पर कार्य करने का अनुभव प्राप्त है। आपने वरि.मंडल इंजी.(समन्वय), उप मुख्य इंजी.(निर्माण), उप मुख्य इंजी.(प्लानिंग एवं डिजाइन), उप मुख्य इंजी. कार्य इत्यादि महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। आपने मलेशिया एवं सिंगापुर में मैनेजमेंट प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उत्कृष्ट सेवा हेतु रेल मंत्री द्वारा अप्रैल, 2010 में सम्मानित किया गया। संस्थान आपका हार्दिक स्वागत करता है।



* **श्री सुरेश गुप्ता,** संकाय अध्यक्ष के पद पर पदस्थापित भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 1980 बैच के अधिकारी का स्थानांतरण जबलपुर, पश्चिम मध्य रेल पर वरिष्ठ उप महाप्रबंधक के पद पर हुआ है। दिनांक 13 अगस्त, 2010 को आपको उक्त पदभार संभालने हेतु भारमुक्त किया गया। संस्थान आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।



* **श्री अनूप कुमार अग्रवाल,** वरिष्ठ प्राध्यापक, प्रोजेक्ट के पद पर पदस्थापित भारतीय रेल इंजीनियरिंग सेवा 1987 बैच के अधिकारी का स्थानांतरण मुख्य परियोजना प्रबंधक/आरवीएनएल के पद पर हुआ है। दिनांक 06 अगस्त, 2010 को आपको उक्त पद के लिए भारमुक्त कर दिया गया। संस्थान आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

13. अन्य पाठ्यक्रम

- 12/07/10 से 16/07/10 तक ठेके एवं विवाचन पर वरिष्ठ प्रशासनिक श्रेणी अधिकारियों के लिए विशेष पाठ्यक्रम ।
- 12/07/10 से 16/07/10 तक ट्रैक मशीन एवं स्मॉल ट्रैक मशीन उपयोगकताओं के लिए विशेष पाठ्यक्रम ।
- 12/07/10 से 16/07/10 तक हाइड्रोलिक डिजाइन, ब्रिचेज एवं फ्लडस और रिस्टोरेशन एवं टनलिंग पर विशेष पाठ्यक्रम ।
- 19/07/10 से 08/10/10 तक भा.रे.इं.से.(परि.) 2008 परीक्षा समूह ए के लिए चरण –।। पाठ्यक्रम ।
- 19/07/10 से 08/10/10 तक भा.रे.इं.से.(परि.) 2008 परीक्षा समूह बी के लिए चरण –।। पाठ्यक्रम ।
- 26/07/10 से 03/09/10 तक समूह ख के लिए समेकित पाठ्यक्रम ।
- 26/07/10 से 03/09/10 तक वप्रश्रे अधिकारियों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम ।
- 05/07/10 से 16/07/10 तक वरि.अधीनस्थों एवं प्रशिक्षुओं के लिए विशेष पाठ्यक्रम ।
- 16/08/10 से 27/08/10 तक निर्माण इंजीनियरों के लिए विशेष पाठ्यक्रम।
- 09/08/10 से 13/08/10 तक यूएसएफडी टेस्टिंग, वेल्डिंग एवं रेल ग्राइंडिंग, ट्रैक मॉनिटरिंग एवं हाई स्पीड एवं हैवी लोड पर विशेष पाठ्यक्रम।
- 06/09/10 से 17/09/10 तक समूह ख के लिए प्री इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम ।
- 20/09/10 से 29/10/10 तक समूह ख के लिए समेकित पाठ्यक्रम ।
- 20/09/10 से 24/09/10 तक पीएससी निर्माण पर विशेष पाठ्यक्रम ।

14. बधाई / शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 अक्टूबर	श्री रोहित एल. वासनिक	सहायक मंडल वित्त प्रबंधक
17 अक्टूबर	श्री एन.आर.काले	सहायक कार्यकारी इंजीनियर–।
28 अक्टूबर	श्री नरेश लालवानी	वरिष्ठ प्राध्यापक, पुल–।।

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

15 अक्टूबर	श्री मनोज अरोरा	वरिष्ठ प्राध्यापक, रेलपथ–।
01 दिसंबर	श्री राजेश कुमार	वरिष्ठ प्राध्यापक
09 दिसंबर	श्री नीरज कुमार खरे	सह प्राध्यापक, कार्य

कर्मचारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 अक्टूबर	श्री जे.एम.पटेकरी	सीनियर सेक्शन इंजीनियर
	श्री पी.विजयन	रसोइया
04 अक्टूबर	श्री कृष्ण बहादुर	रसोइया
06 अक्टूबर	श्री शंकर थोरात	खलासी
10 अक्टूबर	श्री विजय कुमारन	निजी सचिव ग्रेड–।।
12 अक्टूबर	श्री अनिल पदमने	तकनीशियन,
	श्री गौतम गुंडा	खलासी
25 अक्टूबर	श्री प्रदीप तावड़े	तकनीशियन ग्रेड–।
04 नवंबर	श्री अशोक डी सातपुते	सेक्शन इंजीनियर
16 नवंबर	श्री शेखलाल मौला	दफ्तरी
03 दिसंबर	श्री सिराज मोहम्मद	खलासी
08 दिसंबर	श्री ललन शोभाराम	कारपेंटर ग्रेड–।।
15 दिसंबर	श्री नामदेव वाघू	वरिष्ठ खलासी
20 दिसंबर	श्री हौसल्या प्रसाद	वरिष्ठ खलासी
23 दिसंबर	श्री कालीदास उमाजी	प्रयोगशाला परिचर

कर्मचारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

11 नवंबर	श्री फ्रांसिस जॉन गोपालन	वरिष्ठ खलासी
18 नवंबर	श्री सिराज मोहम्मद	खलासी
20 नवंबर	श्री जी.जी.वारकर	कार्यालय अधीक्षक
28 नवंबर	श्रीमती विद्या रवींद्र सावंत	लेखा लिपिक
10 दिसंबर	श्रीमती विद्या जम्मा	निजी सचिव–।।
13 दिसंबर	श्री शिवाजी तावड़े	तकनीशियन–।।

15. शब्द ज्ञान

Fabricated case	मनगढ़ंत मामला	Feasibility	साध्यता
Fact finding	तथ्यान्वेषण	Fictitious claim	फर्जी दावा
Factual Information	तथ्यात्मक सूचना	Flimsi ground	सारहीन आधार
Fatigue	श्रांति, थकान	Fluid situation	अस्पष्ट स्थिति
Feed back	प्रतिपुष्टि, पुनर्भरण	Fundamentalist	कट्टरवादी

16. सृजन

वक्त घड़ी की सुईयों पर
निरंतर चलता गया
हर रोज एक सफा पढ़ा गया
और मैं आगे बढ़ता गया।

अब तो जिदंगी के कुछ ही
पन्ने शेष हैं बाकी
देखता हूं मैं खुली पलकों से
बीते दिनों की झांकी

हर किस्म का दर्द मिला
हर दर्द की दवा भी मिली
कभी जिदंगी मुरझाई
तो कभी फूलों की तरह खिली

पहले कुछ साथी मिले और बढ़ते गए
कुछ अरमान परवान चढ़े और चढ़ते गए
सब कुछ पा कर भी सब पतझड़ में झड़ गए
खाली हाथ रह गया, सब अपने रास्ते बढ़ गए

व्यर्थ अहम लोभ मोह सारी उम्र ढोया
वक्त की कद्र न की, सब कुछ पाया और खोया
जो बोया था यहां मैंने, वही पाया
हे खुदा जैसा भेजा था, खाली हाथ वापस आया।

– श्याम खोचे
स.का.इंजी.–।।

नींव के पत्थर भवन नहीं देख पाते । परंतु भवन खड़ा होता है, उन्हीं के भरोसे, जो नींव में गड़े हुए हैं ।

– वृंदावनलाल वर्मा

नीलमणि, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्राध्यापक, रेलपथ, भारतीय रेल सिविल इंजीनियरिंग संस्थान, पुणे–1 द्वारा केवल सीमित निशुल्क वितरण हेतु प्रकाशित एवं मेसर्स, **कल्याणी कॉर्पोरेशन,** 1464, सदाशिव पेठ, पुणे– 30. फोन : 24486080 द्वारा मुद्रित। (3000 प्रतियां)

Design & Printed at Kalyani Corporation, Pune-30. Tel. 24486080